|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 26. Mai 2022 | | |
| **Christi Himmelfahrt C** | | |
| 1. Lesung: Apg 1, 1-11; 2. Lesung: Eph 1,17-23 oder Hebr 9,24-28;10,19-23; Evangelium: Lk 24,46-53 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 319 | Christ fuhr gen Himmel |
|  | GL 339, 1-4 | Ihr Christen hoch erfreuet euch |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 151 | Herr, erbarme dich unser |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 169 | Gloria, Ehre sei Gott |
|  | GL 170, 1-3 | Allein Gott in der Höh sei Ehr |
|  | GL 768 | Lobsinget, Christen |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 47, 2-3.6-9 |  |
|  | Kehrvers: GL 340 | Gott steigt empor |
|  | oder |  |
|  | GL 712 | Singt dem Herrn alle Völker |
|  | GL GL 393, 1-3 | Nun lobet Gott im hohen Thron |
|  | GL 386 | Laudate omnes gentes |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 2 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *So spricht der Herr:* |  |
|  | *Geht zu allen Völkern,* | |
|  | *und macht alle Menschen zu meinen Jüngern.* | |
|  | *Ich bin bei euch alle Tage bis zum Ende der Welt.* | |
|  |  |  |
| Credo: | sprechen |  |
|  | GL 760 / 761 | Wahrer Gott |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 756, 1+3+4 | Nun freut euch hier und überall |
|  | GL 336 | Jesus lebt, mit ihm auch ich |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 194 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 331, 1-3 | Ist das der Leib |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 211, 1-4+8-10 | Wir rühmen dich, König |
|  | GL 560, 1+2+5 | Christus Sieger |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 380, 1+11 | Großer Gott |
|  | GL 339, 5-7 | Beschirmer deiner Christenheit |